कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल
संस्कृत विभाग, एस. एस. जे. परिसर अल्मोड़ा
स्नातक पाठ्यक्रम संस्कृत भाषा
2019

S.N.	SEMESTER	PAPER/ COURSE
1.	बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर संस्कृत भाषा	प्रथम प्रश्न पत्र–1/1 व्याकरण, पत्र एवं निबन्ध लेखन
2.	बी0 ए0 द्वितीय सेमेस्टर संस्कृत भाषा	प्रथम प्रश्न पत्र– 2/1 व्याकरण, पत्र एवं निबन्ध लेखन

निर्देश– विद्यार्थी संस्कृत भाषा वैकल्पिक रूप में हिन्दी भाषा अथवा अंग्रेजी भाषा के स्थान पर ले सकते हैं। प्रारम्भिक प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में एक–एक प्रश्न पत्र होगा। प्रत्येक प्रश्न पत्र की लिखित परीक्षा 70 अंकों की और आंतरिक परीक्षा का मूल्यांकन 30 अंक का होगा।

बी0 ए0 संस्कृत (**भाषा**) के लिए प्रारम्भिक कुल दो सेमेस्टर (सत्रार्ध) होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में मात्र एक प्रश्न पत्र होगा। प्रत्येक प्रश्न पत्र में 70 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित होंगे। आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथा प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा।

लिखित प्रश्न पत्र अ एवं ब दो खण्डों में विभक्त होगा जिसमें अ खण्ड 30 अंकों एवं ब खण्ड 40 अंकों का होगा। परीक्षार्थी द्वारा लिखित परीक्षा में प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में दिया जाना हैं। आन्तरिक परीक्षा में प्रस्तुतीकरण (प्रेजेन्टेशन) तथा नियत कार्य (एसाइन्मेंट) अनिवार्य रूप से देना होगा।

नोट– इसके अतिरिक्त विभिन्न सत्राद्धों में अंकों का निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा कला संकाय के अन्य विषयों की भॉति समरूपता नीति (Uniform Policy) के अनुसार मान्य होगा एवं प्रस्तावित पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार (सत्र से) प्रवृत्त होगा।

सत्र 2019–20 से प्रभावी

बी0 ए0 (प्रथम सत्रार्ध/सेमेस्टर)

संस्कृत भाषा

हिन्दी, अंग्रेजी भाषा के स्थान मे वैकल्पिक विषय

आधार पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्न पत्र

व्याकरण, पत्र एवं निबंध लेखन पूर्णांक 100 (70+30)

1–माहेश्वरसूत्राणाम्, प्रत्याहाराणां, वर्णोच्चारणस्थानानां च परिचयः।

2–शब्दरूपाणि लेखनमात्रम्– राम, हरि, रमा, नदी, मातृ, धेनु, गृह, फल।

3– धातुरूपाणि लेखनमात्रम्– पठ्, गम्, लिख्, भू, क्रीड्, दा।(पंचलकारेषु)

4– सर्वनामरूपाणि लेखनमात्रम्– सर्व, तत्, एतत्, अस्मद्, युष्मद्।

5–एकतः पंचाशत संख्यापर्यन्त संख्यालेखनम्।

6–भोज्य पदार्थ शब्दावली– दाल, चावल, सब्जी, रोटी, खीर, हलवा, लडडू, जलेबी, आलू, टमाटर, मटर, गोभी, गाजर, करेला, ककडी, प्याज, लहसुन, अदरक, हल्दी, मिर्च, धनिया, नमक, नमक (सेंधा), अंगूर, सेब, केला, संतरा, अमरुद, अनार, नींबू, दही, पापड़, नमकीन, सेंवई, दही वडा, चटनी, कुलफी, सत्तू, कढी, हींग, सोंठ, इलायची, उड़द, चना, तिल, मकई, मूँग, जौ, ।

7–सामान्य संधिज्ञानम्–

(अ) अच् संधिः– इको यणचि, एचोऽयवायावः, आद्गुणः, वृद्धिरेचि, अकः सवर्णे दीर्घः।

(ब) हल् संधिः– स्तोश्चुनाश्चुः, ष्टुनाष्टुः, झलां जशोऽन्ते, यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा, तोर्लिः, मोऽनुस्वारः।

(स) विसर्ग संधि– ससजुषो रुः, खरवसानयोर्विसर्जनीयः, विसर्जनीयस्य सः, अतो रोरप्लुतादप्लुते, हशि च, ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः।

8–पत्रलेखनम्– शासकीयपत्रम् एवं अशासकीयपत्रम्।

9– संस्कृततः हिन्दीभाषायाम् अनुवादः।

10–हिन्दीभाषातः संस्कृतभाषायाम् अनुवादः।

- **आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक**

सहायक पुस्तकें–

1– रचनानुवादकौमुदी, डॉ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

2– संस्कृत भाषा, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।

3– संस्कृत व्याकरण, डॉ प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थकार, जोधपुर।

अंक विभाजन–

खण्ड अ

माहेश्वरसूत्रगतानां केचन् पंचप्रत्याहाराणां वर्णपरिचयः	05
चतुर्षु शब्देषु द्विशब्दयोः विभक्तिवचनेषु रूप लेखनम्	05
चतुर्षु धातुषु द्वयोः धात्वोः पुरुषवचनेषु रूप लेखनम्	05
चतुर्षु सर्वनामेषु द्विशब्दयोः विभक्तिवचनेषु रूप लेखनम्	05
केषुचित् पंचसंख्यानाम् संस्कृतरूपम्	05
केषुचित् दशभोज्यपदार्थानाम् संस्कृतरूपम्	05
खण्ड ब	
पाठ्यगत संधिषु अष्टविकल्पेषु पंचानाम् सोदाहरणम् व्याख्याः	10
एकस्मिन् विषये पत्रलेखनम्	10
दशपंक्तिनां/वाक्यानां संस्कृतेऽनुवादः	10
दस पंक्तीनां/वाक्यानां हिन्दीभाषायामनुवादः	10

सत्र 2019–20 से प्रभावी

बी0 ए0 (द्वितीय सत्रार्ध/सेमेस्टर)

हिन्दी, अंग्रेजी भाषा के स्थान मे वैकल्पिक विषय

आधार पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्न पत्र

व्याकरण, पत्र एवं निबंध लेखन पूर्णांक 100 (70+30)

1– प्रत्ययपरिचयः– क्तक्तवतु, तुमुन्, ल्युट्, क्तिन्, तव्यत्, अनीयर्।

2– उपसर्गपरिचयः।

3– अव्ययपरिचयः– किम्, कुत्र, किमर्थम्, कदा, अद्य, श्वः, परश्वः, अत्र, तत्र, यत्र, सर्वत्र, इतः, ततः, यावत्, तावत्, यथा, तथा, यदा, अपि, पुनः।

4– दैनिकव्यवहारिक प्रचलितप्रशासनिक आंग्लशब्दानां संस्कृते अनुवादः– Academy- शिक्षालयः, Acknowledgement- प्राप्तिपत्रम्, Appointment- नियुक्ति, Agenda- कार्यसूची, Application- आवेदनपत्रम्, Agency- अधिकरणम्, Bank- कोष, Budget- आयव्ययकम्, By Election- उपनिर्वाचनम्, Cabinet- मन्त्रिमण्डलम्, Calender- तिथिपत्रम्, Chargesheet- आरोपपत्रम्, Chief Judge- मुख्यन्यायाधीशः, Chief Justice- मुख्यन्यायाधीपतिः, C.I.D.- गुप्तचरविभागः, Code- संहिताः, Committee- समितिः, Conference- सम्मेलनम् Copyright- प्रकाशनाधिकारः, Council- परिषद् Court-न्यायालयः, Defence- प्रतिरक्षा, Delegate- प्रतिनिधि, Democracy- लोकतन्त्रम्, Finance-वित्तम्, Gazette- राजपत्रम्, Governor- राज्यपालः, Grant-अनुदानम्, Law- विधिः, Majority- बहुमतम्, Nation-राष्ट्रम्, Notice-सूचनापत्रम्, Office- कार्यालयः, Ordinance-अध्यादेशः, Notification-अधिसूचना, Session-सत्रम्, Bio-Data- जीवनवृत्तम्, President- राष्ट्रपतिः, Convocation- दीक्षान्तः, Will- इच्छापत्रम्, Writ- आदेशलेखः

5– शब्दावली– शरीरवर्गः परिवारवर्गः च–

शरीरवर्गः– आँख, अँगूठा, अंगुली, ओंठ(ऊपर), ओंठ(नीचे), कन्धा, कमर, कलाई, कान, कोहनी, कलेजा, नाखून, नाक, नाडी, पलक, पॉव, पीठ, पेट, बाँह, बाल, भौंह, खाल, खून, गर्दन, गाल, गुदा, घुटना, चारों उंगलियाँ, चोटी, छाती, जाँघ, जीभ, ठुड्डी, तोंद, दाँत, दाढी, मल, मसूडा, मांस, माथा, मुट्ठी, मूँछ, रीढ, लार, शरीर, सिर, स्तन, हड्डी, हथेली, हाथ।

परिवारवर्गः– परदादा, परदादी, दादा, दादी, नाना, नानी, माता, पिता, वडा भाई, छोटा भाई, बहन, चाचा, चाची, मामा, मामी, भाभी, दामाद, बेटा, बेटी, पोता, पोती, सास, ससुर, भतीजी, भतीजा, भांजा, भांजी, बुआ।

6––एकपंचाशततः शत्संख्यापर्यन्तं संख्यालेखनम्।

7–कारकप्रयोगः– प्रातिपदिकार्थलिंगपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा, सम्बोधने च, कर्मणि द्वितीया, कर्तृकरणयोस्तृतीया, चतुर्थी सम्प्रदाने च, नमःस्वस्तिस्वाहास्वधालंवषड्योगाच्च, अपादाने पंचमी, षष्ठी शेषे, सप्तम्यधिकरणे च।

8–समासपरिचयः – अव्ययीभावः, तत्पुरुषः, बहुब्रीहिः, द्विगुः, द्वन्द्वः।

9–संस्कृत निबन्धलेखनम्– संस्कृतभाषाया महत्त्वम्, भारतीय संस्कृतिः, मम देशः, विद्याविहीनः पशुः, उद्योगिनः पुरुषसिंहमुपैति लक्ष्मी, परोपकाराय सतां विभूतयः, स्त्रीशिक्षाया महत्त्वम्, अहिंसा परमो धर्मः, सत्संगतिः, पर्यावरणम्।

10– हिन्दीतः संस्कृतभाषायाम् अनुवादः।

- **आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक**

सहायक पुस्तकें–

1– रचनानुवादकौमुदी, डॉ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

2– संस्कृत भाषा, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।

3– संस्कृत व्याकरण, डॉ प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थकार, जोधपुर।

अंक विभाजन–

खण्ड अ

केषुचित् पंचशब्देषु प्रकृतिप्रत्ययोः प्रदर्शनम्	05
केषुचित् पंचशब्देषु उपसर्गप्रदर्शनम्	05
केषुचित् पंचशब्देषु अव्ययानामर्थप्रदर्शनम्	05
केषुचित् पंचशब्दानाम् अंग्रेजीरूपान्तरणम्	05
केषुचित् दशशरीरपरिवार वर्गागतशब्दानाम् संस्कृतरूपम्	05
केषुचित् पंचसंख्यानाम् संस्कृतरूपम्	05
खण्ड ब	
कारकेषु चतुर्षु विकल्पेषु द्वयोः सोदाहरणम् व्याख्याः	10

समासेषु चतुर्षु विकल्पेषु द्वयोः सोदाहरणम् व्याख्याः	10
प्रदत्तेषु विकल्पेषु एकस्मिन् विषये संस्कृतभाषायां निबन्धलेखनम्	10
दश पंक्तीनां/वाक्यानां हिन्दीभाषायामनुवादः	10

कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल
संस्कृत विभाग, एस. एस. जे. परिसर अल्मोड़ा
स्नातक पाठ्यक्रम संस्कृत साहित्य
2019

1.	बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर संस्कृत साहित्य	प्रथम प्रश्न पत्र– 1/1 नीतिकाव्य एवं व्याकरण द्वितीय प्रश्न पत्र– 1/2 संस्कृत नाटक
2.	बी0 ए0 द्वितीय सेमेस्टर संस्कृत साहित्य	प्रथम प्रश्न पत्र– 2/1 संस्कृत काव्य एवं छन्दोऽलंकार द्वितीय प्रश्न पत्र– 2/2 संस्कृत गद्यकाव्य एवं व्याकरण
3.	बी0 ए0 तृतीय सेमेस्टर संस्कृत साहित्य	प्रथम प्रश्न पत्र– 3/1 संस्कृत पद्यकाव्य एवं व्याकरण द्वितीय प्रश्न पत्र– 3/2 संस्कृत गद्यकाव्य एवं भारतीय संस्कृति
4.	बी0 ए0 चतुर्थ सेमेस्टर संस्कृत साहित्य	प्रथम प्रश्न पत्र– 4/1 काव्य एवं संस्कृत साहित्य परिचय द्वितीय प्रश्न पत्र–4/2 गद्य साहित्य एवं निबन्ध
5.	बी0 ए0 पंचम सेमेस्टर संस्कृत साहित्य	प्रथम प्रश्न पत्र– 5/1 दर्शन एवं व्याकरण द्वितीय प्रश्न पत्र– 5/2 स्मृति साहित्य
6.	बी0 ए0 षष्ठ सेमेस्टर संस्कृत साहित्य	प्रथम प्रश्न पत्र– 6/1 वेद एवं वैदिक साहित्य– परिचय द्वितीय प्रश्न पत्र– 6/2 उपनिषद् एवं भगवद्गीता

निर्देश– बी0 ए0 संस्कृत में कुल छह सेमेस्टर (सत्रार्ध) होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में दो प्रश्न पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र में 55 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 20 अंक आन्तरिक (परीक्षा) मूल्यांकन हेतु निर्धारित होंगे। आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथा प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा। लिखित प्रश्न पत्र अ एवं ब दो खण्डों में विभक्त होगा जिसमें अ खण्ड 30 अंकों एवं ब खण्ड 25 अंकों का होगा। परीक्षार्थी द्वारा लिखित परीक्षा में प्रश्नों के उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी में दिये जा सकते हैं। आन्तरिक परीक्षा में प्रेजेन्टेशन (प्रस्तुतीकरण), तथा एसाइन्मेंट अनिवार्य रूप से देना होगा।

नोट– इसके अतिरिक्त विभिन्न सत्रार्द्धों में अंकों का निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा कला संकाय के अन्य विषयों की भॉति समरूपता नीति (Uniform Policy) के अनुसार मान्य होगा।

सत्र 2019–20 से प्रभावी
स्नातक (बी0ए0) (प्रथम सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)
संस्कृत साहित्य
1/1 प्रथम प्रश्न पत्र–नीतिकाव्य एवं व्याकरण

पूर्णांक 75 (55+20)

1. नीतिशतकम्, भर्तृहरि 1–50 श्लोक पर्यन्त
2. हितोपदेश, मित्रलाभ (प्रारम्भिक दो कथायें)
3. व्याकरण – संज्ञा एवं सन्धि प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी)

- 20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :

1– नीतिशतकम् – डॉ0 गंगासागर राय
2– नीतिशतकम्– अनन्तराम शास्त्री
3– संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
4– संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
5– हितोपदेश– डॉ0 प्रभुनाथ द्विवेदी
6– हितोपदेश (मित्रलाभ)– रश्मिकला संस्कृत हिन्दी व्याकरण सहित
7– लघुसिद्धान्त कौमुदी– डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री
8– लघुसिद्धान्त कौमुदी– महेश सिंह कुशवाहा
9– लघुसिद्धान्त कौमुदी (संज्ञा सन्धि प्रकरण) – डॉ0 लज्जा भट्ट

अंक विभाजन–

खण्ड अ

हितोपदेश एवं नीतिशतकम् में छह श्लोंको में से तीन की व्याख्या	**15**
संज्ञा/संधि प्रकरण से चार में से दो व्याख्या	**15**
खण्ड ब	

संज्ञा/सन्धि प्रकरण से चार में से दो टिप्पणी	**10**
नीति साहित्य एवं नीति ग्रन्थ/ग्रन्थकार सम्बन्धी चार में से दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	**15**

सत्र 2019–20 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (प्रथम सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)
संस्कृत साहित्य
1/2 द्वितीय प्रश्न पत्र – संस्कृत नाटक

पूर्णांक 75 (55+20)

1. अभिज्ञान शाकुन्तलम्, कालिदास, 1–4 अंक
2. प्रतिमा नाटकम्, भास, प्रथम एवं तृतीय अंक
3. नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली (दशरूपक के आधार पर)– नान्दी, प्रस्तावना, नेपथ्य, सूत्रधार, आकाशभाषित, विष्कम्भक, प्रवेशक, जनान्तिक, अपवारित, स्वगतकथन, एवं भरतवाक्य।

- 20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :

1– अभिज्ञान शाकुन्तलम्– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
2– अभिज्ञान शाकुन्तल एक विश्लेषण– डॉ0 देवीदत्त शर्मा
3– महाकवि कालिदास– रमाशंकर तिवारी
4– संस्कृत नाटक– ए.बी. कीथ
5– संस्कृत नाटक– रामजी उपाध्याय
6– संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
7– प्रतिमानाटकम्–

अंक विभाजन–

खण्ड अ

अभिज्ञानशाकुन्तलम् एवं प्रतिमानाटकम् में चार श्लोंको में से दो की व्याख्या	**20**
अभिज्ञानशाकुन्तलम् एवं प्रतिमानाटकम् में चार में से दो सूक्तियों की व्याख्या	**10**
खण्ड ब	
नाटक एवं नाटककार से सम्बन्धित एक समीक्षात्मक प्रश्न	**10**
पारिभाषिक (नाट्य) शब्द विश्लेषण पर दो टिप्पणी	**15**

सत्र 2019–20 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (द्वितीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)
संस्कृत साहित्य
2/1 प्रथम प्रश्न पत्र– संस्कृत काव्य एवं छन्दोऽलंकार

पूर्णांक 75 (55+20)

1. रघुवंशम्, कालिदास, द्वितीय सर्ग
2. शिशुपालवधम्, माघ, प्रथम सर्ग 1–50 श्लोक पर्यन्त
3. छन्दोऽलंकार –(काव्यदीपिका–अष्टमशिखा)

(अ) अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, वंषस्थ, बसन्ततिलका, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, मालिनी एवं मन्दाक्रान्ता।

(ब) अलंकार – अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति, अतिश्योक्ति

- 20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :

1– रघुवंशम्–
2– शिशुपालवधम्–
2– छन्दोऽलंकार परिचय – डॉ0 लज्जा भट्ट
3– छन्दोऽलंकार ज्ञान– डॉ शालिमा तबस्सुम
4– अलंकार शास्त्र का इतिहास– डॉ0 कृष्ण कुमार
5– वृत्तरत्नाकर– पं0 केदार भट्ट
6– वृत्तरत्नाकर (टीका)– नारायण भट्ट
7– छन्दोऽलंकार ज्ञान– डॉ किरण टण्डन
8– काव्यदीपिका– अष्टमशिखा

अंक विभाजन–

खण्ड अ

रघुवंशम् एवं शिशुपालवधम् में चार श्लोंको में से दो की व्याख्या	**20**
रघुवंशम् एवं शिशुपालवधम् में चार में से दो सूक्तियों की व्याख्या	**10**
खण्ड ब	
ग्रन्थ एवं ग्रन्थकार से सम्बन्धित एक समीक्षात्मक प्रश्न	**10**

छंद एवं अलंकार परिचय से छह में से किन्हीं तीन के लक्षण, पारिभाषा एवं उदाहरण	**15**

सत्र 2019–20 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (द्वितीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)
संस्कृत साहित्य
2/2 द्वितीय प्रश्न पत्र – संस्कृत गद्यकाव्य एवं व्याकरण

पूर्णांक 75 (55+20)

1. कादम्बरी – उज्जयिनी वर्णन से शुकनास परिचय पर्यन्त (अस्ति सकल त्रिभुवन.....राज्ञां नासीत्)।
2. शिवराजविजयम्, अम्बिकादत्त व्यास, प्रथम विराम, प्रथम निःश्वास
3. अनुवाद–(अ) हिन्दी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिन्दी अनुवाद
   (ब) शब्दरूप सिद्धि– राम, रमा, हरि, नदी, गुरु, अस्मद् एवं युष्मद्
   (स) धातुरूप– पठ्, गम्, भू, कृ, लिख्– पाँचों लकारों में लेखन मात्र– लट्, ल्ट्, लोट्, लड् एवं विधिलिंग

- 20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :

1– कादम्बरी
2– शिवराज विजय (अम्बिकादत्त व्यास)– डॉ0 रमाशंकर मिश्र
3– प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

अंक विभाजन–

खण्ड अ

कादम्बरी एवं शिवराजविजय में छह में से तीन गद्यांशों की व्याख्या	**15**
कादम्बरी एवं शिवराजविजय में चार में से दो समीक्षात्मक प्रश्न	**15**
खण्ड ब	
शब्दरूप में किन्हीं चार में से दो रूपों की सिद्धि एवं धातुरूप में किन्हीं चार में से दो रूपों का लेखन मात्र	**10+5**
संस्कृत से हिन्दी एवं हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद	**10**

सत्र 2020–21 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (तृतीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

संस्कृत साहित्य

3/1 प्रथम प्रश्न पत्र–संस्कृत पद्यकाव्य एवं व्याकरण

पूर्णांक 75 (55+20)

1. कुमारसम्भवम्, कालिदास, प्रथम सर्ग
2. कारक प्रकरण, लघुसिद्धान्त कौमुदी से
3. समास परिचय, लघुसिद्धान्त कौमुदी से

- 20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :

1– कुमारसम्भवम् – नेमिचन्द्र शास्त्री
2– कुमारसम्भवम् महाकाव्य– जगदीशलाल शास्त्री
3– कुमारसम्भवम् महाकाव्य– श्री पं0 प्रद्युम्न पाण्डेय
4– लघुसिद्धान्त कौमुदी (समास प्रकरण)– डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री
5– लघुसिद्धान्त कौमुदी (समास प्रकरण)– श्री धरानन्द शास्त्री
6– लघुसिद्धान्त कौमुदी– महेश सिंह कुशवाहा

अंक विभाजन–

खण्ड अ

कुमारसंभवम् से चार में से दो व्याख्या	**15**
ग्रन्थ/ग्रन्थकार से दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	**15**
खण्ड ब	
सूत्रनिर्देश पूर्वक छह में से तीन प्रयोगों की रूपसिद्धि	**15**
समास– लक्षण एवं उदाहरण, चार में से दो	**10**

सत्र 2020–21 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (तृतीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

संस्कृत साहित्य

3/2 द्वितीय प्रश्नपत्र – संस्कृतगद्यकाव्य एवं भारतीयसंस्कृति

पूर्णांक 75 (55+20)

1. शिवराजविजयम्, अम्बिकादत्त व्यास, प्रथम विराम, द्वितीय निःश्वास
2. हर्षचरितम्, बाणभट्ट, प्रथम उच्छवास–(प्रारम्भ से सावित्री सहित सरस्वतीके मर्त्यलोक आगमन तक–ब्रह्मलोकतः सावित्रीद्वितीया निर्जगाम पर्यन्त)
3. भारतीय संस्कृति – भारतीय संस्कृति की विशेषताएं, पंच महायज्ञ, संस्कार, पुरुषार्थ चतुष्ट्य, वर्णाश्रम व्यवस्था।

- 20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :

1– शिवराज विजय (अम्बिकादत्त व्यास) प्रथम विराम –डॉ0 रमाशंकर मिश्र
2– हर्षचरितम्– चुन्नीलाल शुक्ल
3– शिवराजविजय– डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी
4– भारतीय संस्कृति– डॉ0 किरन टण्डन
5– भारतीय संस्कृति का इतिहास– डॉ0 नरेन्द्र देव सिंह शास्त्री
6– भारतीय संस्कृति– डॉ0 इन्दुमती मिश्र
7– आधुनिक गद्यसाहित्य का इतिहास– कलानाथ शास्त्री

अंक विभाजन–

खण्ड अ

हर्षचरित एवं शिवराजविजय से चार में से दो गद्यांशों की व्याख्या	**20**
हर्षचरित एवं शिवराजविजय में दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	**10**
खण्ड ब	
भारतीय संस्कृति से दो में से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	**15**
भारतीय संस्कृति से चार में से दो टिप्पणी	**10**

सत्र 2020–21 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (चतुर्थ सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

संस्कृत साहित्य

4/1 प्रथम प्रश्नपत्र – काव्य एवं संस्कृत साहित्य परिचय

पूर्णांक 75 (55+20)

1. किरातार्जुनीयम्, भारवि, प्रथम सर्ग
2. कुमारसम्भवम्, कालिदास, पंचम सर्ग
3. (अ) प्राचीन संस्कृत साहित्यकार– वाल्मीकि, व्यास, भास, भवभूति, शूद्रक, बाणभट्ट, दण्डी।
   (ब) अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकार– अम्बिकादत्त व्यास, शिवप्रसाद भारद्वाज, हरिनारायण दीक्षित, अभिराजराजेन्द्र मिश्र, राधाबल्लभ त्रिपाठी।

- 20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :

1– किरातार्जुनीयम् (भारविकृत्)– जनार्दन शास्त्री पाण्डेय
2– कुमारसम्भवम् – नेमिचन्द्र शास्त्री
3– संस्कृत साहित्य का इतिहास– कपिलदेव द्विवेदी
4– संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय
5– आधुनिक संस्कृत साहित्य– डॉ हीरालाल शुक्ल
6– अर्वाचीन संस्कृत

अंक विभाजन–

खण्ड अ

कुमारसंभवम् एवं किरातार्जुनीयम् से चार में से दो पद्यांशों की व्याख्या	**20 अंक**
कुमारसंभवम् एवं किरातार्जुनीयम् में चार में से दो सूक्तियॉ	**10अंक**
खण्ड ब	
ग्रन्थ/ग्रन्थकार से एक समीक्षात्मक प्रश्न	**10अंक**
प्राचीन एवं अर्वाचीन साहित्यकार से छह में से तीन टिप्पणी	**15अंक**

सत्र 2020–21 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) संस्कृत साहित्य (चतुर्थ सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

संस्कृत साहित्य

4/2 द्वितीय प्रश्न पत्र –गद्यकाव्य एवं निबन्ध

पूर्णांक 75 (55+20)

1.दशकुमारचरितम्, दण्डी, पूर्वपीठिका

2. कादम्बरी, बाणभट्ट, शुकनासोपदेश

3. निबन्ध लेखन (संस्कृत)– संस्कृतभाषाया महत्त्वम्, विद्याविहीनः पशुः, उद्योगिनः पुरुषसिंहमुपैति लक्ष्मी, परोपकाराय सतां विभूतयः, स्त्री शिक्षाया महत्त्वम्, अहिंसा परमो धर्मः, सत्संगति, पर्यावरणम्, ।

- 20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :

1– दशकुमारचरितम् (दण्डिकृत) पूर्व–पीठिका– विश्वनाथ झा

2– कादम्बरी– आचार्य शेषराज रेग्मी

3– संस्कृत निबन्ध शतकम्– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

4– निबन्ध चन्द्रिका– डॉ0 कृष्णदेव राय

5– निबन्ध निबन्धांजलि– डॉ0 रामकृष्ण आचार्य

6– रचनानुवाद कौमुदी– कपिलदेव द्विवेदी

अंक विभाजन–

खण्ड अ

कादम्बरी एवं दशकुमारचरितम् से चार में से दो व्याख्याएँ	**20 अंक**
कादम्बरी एवं दशकुमारचरितम् में चार में से दो सूक्तियॉ	**10अंक**
खण्ड ब	
ग्रन्थ/ग्रन्थकार से एक समीक्षात्मक प्रश्न	**10अंक**
संस्कृत में निबन्ध लेखन	**15अंक**

सत्र 2021–22 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (पंचम सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

संस्कृत साहित्य

5/1 प्रथम प्रश्न पत्र – दर्शन एवं व्याकरण

पूर्णांक 75 (55+20)

1.तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, प्रारम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाण पर्यन्त।

2. तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, अनुमान प्रमाण से समाप्ति पर्यन्त।

3. व्याकरण – प्रत्यय (कृदन्त) तव्यत्, अनीयर्, ण्वुल्, तृच्, क्त्, क्तवतु, क्तिन्, तुमुन् एवं घञ्। (लघु सिद्धान्त कौमुदी)।

- 20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :

1– तर्कसंग्रह (अन्नम् भट्ट)– डॉ0 चन्द्रशेखर द्विवेदी

2– लघु सिद्धान्त कौमुदी– कृदन्त प्रकरण– महेश सिंह कुशवाहा

3– लघु सिद्धान्त कौमुदी– श्री धरानन्द शास्त्री

4– लघु सिद्धान्त कौमुदी– डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री

अंक विभाजन–

खण्ड अ

तर्कसंग्रह से चार में से दो व्याख्याएँ (प्रारम्भ से कारण पर्यन्त)	**15 अंक**
तर्कसंग्रह से चार में से दो व्याख्याएँ (प्रत्यक्ष प्रमाण से समाप्ति पर्यन्त)	**15अंक**
खण्ड ब	
ग्रन्थ/ग्रन्थकार से एक समीक्षात्मक प्रश्न	**10अंक**
व्याकरण अंश से छह में से तीन प्रयोग/सूत्रों की सिद्धि	**15अंक**

सत्र 2021–22 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (पंचम सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)
संस्कृत साहित्य
5/2 द्वितीय प्रश्न पत्र – स्मृति साहित्य

पूर्णांक 75 (55+20)

1. मनुस्मृति, सप्तम अध्याय
2. याज्ञवल्क्य स्मृति, प्रथम आचार अध्याय–गृहस्थधर्म प्रकरण श्लोक 97–128 पर्यन्त
3. स्मृति साहित्य परिचय

- 20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :

1– मनुस्मृति–
2– याज्ञवल्क्यस्मृति–
3– वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्णसिंह
4– विशुद्ध मनुस्मृति– डॉ सुरेन्द्र कुमार
5– मनुस्मृति– डॉ राकेश शास्त्री

अंक विभाजन–

खण्ड अ

मनुस्मृति से चार में से दो व्याख्याएँ	**15 अंक**
याज्ञवल्क्यस्मृति से चार में से दो व्याख्याएँ	**15अंक**
खण्ड ब	
मनुस्मृति/याज्ञवल्क्यस्मृति ग्रन्थों से एक समीक्षात्मक प्रश्न	**15अंक**
स्मृति साहित्य से दो टिप्पणी	**10अंक**

सत्र 2021–22 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (षष्ठ सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)
संस्कृत साहित्य
6/1 प्रथम प्रश्न पत्र– वेद एवं वैदिक साहित्य–परिचय

पूर्णांक 75 (55+20)

1. वेद– अ– ऋग्वेद– अग्निसूक्त 1/1, अक्षसूक्त 10/34, विष्णुसूक्त 1/154
   ब– यजुर्वेद– शिवसंकल्पसूक्त।
   स– अथर्ववेद– पृथिवीसूक्त (द्वादशकाण्ड) 1 से 10 मन्त्र पर्यन्त
2. वेद एवं वेदांग परिचय
3. ब्राह्मण ग्रन्थ एवं आरण्यक ग्रन्थ परिचय।

- 20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :

1–वैदिक सूक्त चयनिका– डॉ0 किरण टण्डन, डॉ0 जया तिवारी
2–वैदिक सूक्त संकलन– विजय शंकर पाण्डे
3–वैदिक सूक्त संग्रह– अयोध्या प्रसाद सिंह
4–वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्णसिंह
5–वैदिक साहित्य और संस्कृति का स्वरूप– डॉ0 ओमप्रकाश पाण्डे

अंक विभाजन–

खण्ड अ

वेद से चार में से दो व्याख्याएँ	**20 अंक**
पाठ्य सूक्तों एवं देवता से दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	**10अंक**
खण्ड ब	
वैदिक साहित्य से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	**15अंक**
वैदिक साहित्य से चार में से दो टिप्पणी	**10अंक**

सत्र 2021–22 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (षष्ठ सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)
संस्कृत साहित्य
6/2 द्वितीय प्रश्न पत्र – उपनिषद् एवं भगवद्गीता

पूर्णांक 75 (55+20)

1. कठोपनिषद्, प्रथम अध्याय
2. भगवद्गीता, द्वितीय अध्याय
3. दशोपनिषद् परिचय– ईश, केन, कठ, मुण्डक, माण्डूक्य, छान्दोग्य, वृहदारण्यक, तैत्तिरीय, ऐतरेय एवं प्रश्नोपनिषद्।

- 20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :

1–कठोपनिषद्– डॉ0 कीर्त्यानन्द झा
2–कठोपनिषद् प्रथम भाग– महेश अनुसन्धान संस्थान, वाराणसी
3–कठोपनिषद्– डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री
4–प्राचीन भारत का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक इतिहास– डॉ0 निरंजन सिंह योगमणि'
5–श्रीमद्भगवद्गीता– रामानन्द प्रसाद
6–वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्णसिंह
7–वैदिक साहित्य और संस्कृति का स्वरूप– डॉ0 ओमप्रकाश पाण्डे

अंक विभाजन–

खण्ड अ

कठोपनिषद् से चार में से दो व्याख्याएँ	**15 अंक**
श्रीमद्भागवत से चार में से दो व्याख्याएँ	**15अंक**
खण्ड ब	
कठोपनिषद्/गीता से दो में से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	**15अंक**
दशोपनिषद् से चार में से दो टिप्पणी	**10अंक**

कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल
संस्कृत विभाग, एस. एस. जे. परिसर अल्मोड़ा
प्रस्तावित पाठ्यक्रम

एम0 ए0 संस्कृत

2019

एम0 ए0 संस्कृत में कुल चार सेमेस्टर (सत्रार्ध) होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में चार प्रश्न पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित होंगे। आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, एसाइन्मेंट तथा प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय सम्बन्धित प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा।

लिखित प्रश्न पत्र अ एवं ब दो खण्डों में विभक्त होगा जिसमें अ खण्ड 30 अंकों एवं ब खण्ड 45 अंकों का होगा। परीक्षार्थी द्वारा लिखित परीक्षा में प्रश्नों के उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी में दिये जा सकते हैं। आन्तरिक परीक्षा में प्रेजेन्टेशन (प्रस्तुतीकरण), तथा एसाइन्मेंट अनिवार्य रूप से देना होगा।

नोट– इसके अतिरिक्त विभिन्न सत्रार्द्धों में अंकों का निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा कला संकाय के अन्य विषयों की भॉति समरूपता नीति (Uniform Policy) के अनुसार मान्य होगा एवं प्रस्तावित पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार (सत्र से) प्रवृत्त होगा।

कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल
संस्कृत विभाग, एस. एस. जे. परिसर अल्मोड़ा
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम
2019

एम.ए. प्रथम सत्रार्द्ध/सेमेस्टर

1/1 वेद एवं वैदिक साहित्य का इतिहास
1/2 व्याकरण एवं पालि
1/3 सांख्य एवं न्याय
1/4 नाटक एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास

एम.ए. द्वितीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर

2/1 निरुक्त एवं पाणिनीय शिक्षा
2/2 प्राकृत एवं भाषाविज्ञान
2/3 वेदान्त एवं दर्शन साहित्य का इतिहास
2/4 काव्य एवं भारतीय संस्कृति

एम.ए. तृतीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर

3/1 व्याकरण

अथवा (वैकल्पिक)

3/1 लघु शोध प्रबन्ध

लघुशोध हेतु द्वितीय सत्रार्द्ध में 60 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है।

3/2 गद्यकाव्य

3/3 नाट्यशास्त्र

3/4 काव्यशास्त्र

एम.ए. चतुर्थ सत्रार्द्ध

4/1 व्याकरण एवं निबन्ध

4/2 संस्कृत प्रकरण एवं चम्पू

अथवा

4/2 आधुनिक संस्कृत नाटक एवं उपन्यास (वैकल्पिक)

4/3 काव्यशास्त्र

4/4 मौखिक परीक्षा। (अनिवार्य)

निर्देश– पाठ्यक्रम से कुल 75 अंकों की मुख्य लिखित परीक्षा है। 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं। इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न–पत्र 100 अंक का होगा। मौखिकी परीक्षा 100 अंकों की है। इसके अतिरिक्त विभिन्न सत्रार्द्धों में अंकों का निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा कला संकाय के अन्य विषयों की भॉति समरूपता नीति (Uniform Policy) के अनुसार मान्य होगा।

.....

सत्र 2019–20 से प्रभावी

एम0 ए0 संस्कृत
प्रथम प्रश्न पत्र (प्रथम सत्रार्ध/सेमेस्टर)
1/1 वेद एवं वैदिक साहित्य का इतिहास

पूर्णांक–100 (75+25)

(अ) ऋग्वेद से निम्नलिखित सूक्त – इन्द्र– 1/32, सूर्य– 1/115, अग्नि–1/143, उषस्–3/61, नासदीय–10/129, हिरण्यगर्भ–10/121, पुरुष सूक्त– 10/90

(ब) अथर्ववेद से निम्नलिखित सूक्त – राष्ट्रविवर्धनम् एवं साम्मनस्य सूक्त– 01 से 10 मन्त्र पर्यन्त।

(स) वैदिक साहित्य का इतिहास, निम्नलिखित अंश– वेद, वेदांग, उपनिषद, आरण्यक एवं ब्राह्मण ग्रन्थ।

- आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25

सहायक पुस्तकें :–

1. द न्यू वैदिक सलेक्शन–सम्पादक–ब्रजविहारी चौबे (तैलंग एवं चौबे)
2. ऋक्सूक्त संग्रह–डॉ. हरिदत्त शास्त्री एवं डॉ0 कृष्णकुमार–प्रकाशन–साहित्य भण्डार सुभाष बाजार मेरठ–250002
3. Hymns of the Rigvdea - Peterson
4. वैदिक साहित्य का इतिहास– प्रो0 राममूर्ति शर्मा
5. वैदिक साहित्य का इतिहास– गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर एवं पं0 राजेश्वर (राजू) केशवशास्त्री मुसलगाँवकर प्रकाशन–चौखम्बा संस्कृत, वाराणासी
6. वैदिक साहित्य का इतिहास– कर्णसिंह
7. वैदिक साहित्य का इतिहास–वाचस्पति गैरोला

अंक विभाजन –

खण्ड अ

किन्ही छह में से तीन मंत्रों की व्याख्या	3x8= 24 अंक
किसी भी एक संहिता का पद पाठ	06 अंक
खण्ड ब	
किन्हीं दो वैदिक देवता अथवा सूक्त की विशेषताएँ	2 x10=20 अंक
वैदिक साहित्य से सम्बन्धित एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	15 अंक

वैदिक साहित्य से सम्बन्धित दो लघूत्तरीय प्रश्न	2 x5=10 अंक

सत्र 2019–20 से प्रभावी

एम0 ए0 संस्कृत

द्वितीय प्रश्न पत्र (प्रथम सत्रार्ध/सेमेस्टर)

1/2 व्याकरण एवं पालि पूर्णांक–100 (75+25)

(अ) व्याकरण (सिद्धान्त कौमुदी) कारक प्रकरण।

(ब) पालि (धम्मपद, दशवग्गपर्यन्त) ।

(स) पालि साहित्य का परिचय।

- आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25

सहायक पुस्तकें :

1. सिद्धान्त कौमुदी– भट्टोजिदीक्षित, व्याख्याकार– श्री गोपालदत्त पाण्डेय।
2. सिद्धान्त कौमुदी– भट्टोजिदीक्षित, व्याख्याकार– श्री बालकृष्ण पंचोली
3. एम0 ए0 संस्कृत व्याकरण– श्रीनिवास शास्त्री।
4. धम्मपद–सम्पादक, कन्छेदीलाल गुप्त।
5. पालि साहित्य का इतिहास–डॉ0 भरतसिंह उपाध्याय।

अंक विभाजन :–

खण्ड अ

किन्हीं छह में से तीन सूत्रों की व्याख्या	3x5=15 अंक
सूत्र निर्देश पूर्वक तीन प्रयोगों की सिद्धि	3x5=15 अंक
खण्ड ब	
धम्मपद से चार में से दो व्याख्याएँ	20 अंक
पालि से एक गाथा की संस्कृत छाया	05 अंक
पालि साहित्य परिचय से दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	20 अंक

सत्र 2019–20 से प्रभावी

एम0 ए0 संस्कृत
तृतीय प्रश्न पत्र (प्रथम सत्रार्ध/सेमेस्टर)
1/3 सांख्य एवं न्याय

पूर्णांक–100 (75+25)

(अ) सांख्य कारिका – ईश्वर कृष्ण– सम्पूर्ण।

(ब) तर्कभाषा – केशवमिश्र–प्रामाण्यवादपर्यन्त ।

(स) सांख्य एवं न्याय दर्शन परिचय।

- आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25

सहायक पुस्तकें :

1. सांख्यकारिका, ढुण्ढिराज शास्त्री
2. सांख्यकारिका, डॉ0 रमाशंकर तिवारी
3. सांख्यकारिका, जगन्नाथ शास्त्री
4. सांख्यकारिका, डॉ0 रामकृष्ण आचार्य
5. तर्कभाषा, आचार्य विश्वेश्र
6. तर्कभाषा, श्रीनिवास शास्त्री
7. तर्कभाषा, आचार्य बदरीनाथ शुक्ल
8. भारतीय दर्शन, उमेश मिश्र
9. Indian Pholosophy – Das Gupta

अंक विभाजन :–

खण्ड अ

सांख्यकारिका से छः में से तीन कारिकाओं की व्याख्या	3X5=15 अंक
तर्कभाषा से छः में से तीन व्याख्याएँ	3X5=15 अंक
खण्ड ब	
सांख्यकारिका से दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक

तर्कभाषा से दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
सांख्य एवं न्याय से छः में से तीन लघूत्तरीय प्रश्न	3x5=15 अंक

सत्र 2019–20 से प्रभावी

एम0ए0 संस्कृत

चतुर्थ प्रश्न पत्र (प्रथम सत्रार्ध/सेमेस्टर)

1/4 नाटक एवं संस्कृत नाट्य साहित्य का इतिहास पूर्णांकः100 (75+25)

(अ) उत्तररामचरितम् – भवभूति

(ब) मुद्राराक्षस– विशाखदत्त

(स) संस्कृत नाट्य साहित्य का इतिहास – भास, कालिदास, भवभूति, शूद्रक, विशाखदत्त, भट्ट नारायण।

- आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25

सहायक पुस्तकें :

1. उत्तररामचरितम् , कपिलदेव द्विवेदी
2. उत्तररामचरितम् की शास्त्रीय समीक्षा, डॉ0 सत्यनारायण चौधरी
3. मुद्राराक्षस
4. भवभूति ग्रन्थावली, राम प्रताप त्रिपाठी
5. भवभूति एवं उनकी नाट्यकला, अयोध्याप्रसाद सिंह
6. संस्कृत सुकवि समीक्षा, बलदेव उपाध्याय
7. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, कपिलदेव द्विवेदी
8. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय
9. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा, पाण्डेय एवं व्यास
10. संस्कृत काव्यकार, हरिदत्त शास्त्री

अंक विभाजन :–

खण्ड अ

उत्तररामचरितम् से चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	2x7.5 = 15 अंक
मुद्राराक्षस से चार में से दो व्याख्याएँ	2x7.5 =15 अंक
खण्ड ब	
उत्तररामचरितम्/मुद्राराक्षस से, चार में से दो सूक्तियों की	2x7.5 =15 अंक

व्याख्या अथवा पारिभाषिक शब्दों की परिभाषा	
उत्तररामचरितम्/मुद्राराक्षस से दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15अंक
संस्कृत नाट्यसाहित्य से दो में से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	15 अंक

सत्र 2019–20 से प्रभावी

एम0ए0 संस्कृत

प्रथम प्रश्न पत्र (द्वितीय सत्रार्ध/सेमेस्टर)

2/1 निरुक्त एवं पाणिनीय शिक्षा पूर्णांकः100 (75+25)

(अ) निरुक्त – यास्क (प्रथम अध्याय) सम्पूर्ण।

(ब) निरुक्त – यास्क (द्वितीय अध्याय) प्रथम से चतुर्थ पाद पर्यन्त।

(स) पाणिनीय शिक्षा।

- आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25

सहायक पुस्तकें :

1. हिन्दी निरुक्त, कपिलदेव शास्त्री
2. हिन्दी निरुक्त, छज्जूराम शास्त्री
3. पाणिनीय शिक्षा, रुद्रप्रसाद अवस्थी
4. पाणिनीय शिक्षा, प्रो0 श्रीनारायण मिश्र

अंक विभाजन :–

खण्ड अ

निरुक्त से छह में से तीन सूत्रों की व्याख्याएँ	15 अंक
पाणिनीय शिक्षा से छह में से तीन व्याख्याएँ	15 अंक

खण्ड ब	
निरुक्त से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
पाणिनीय शिक्षा से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
किन्हीं दस में से पॉच पदों का पद निर्वचन	3_x5–15 अंक

सत्र 2019–20 से प्रभावी

एम0ए0 संस्कृत

द्वितीय प्रश्न पत्र (द्वितीय सत्रार्ध/सेमेस्टर)

2/2 प्राकृत एवं भाषा विज्ञान पूर्णांकः100 (75+25)

(अ) कर्पूरमंजरी–राजशेखर प्रणीत

(ब) प्राकृत साहित्य परिचय।

(स) भाषा विज्ञान के निम्नलिखित अंश– भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान का स्वरूप, उद्गम एवं विकास, ध्वनि विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान एवं ध्वनि नियम।

- आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25

सहायक पुस्तकें :

1. कर्पूरमंजरी (राजशेखर), चुन्नीलाल शुक्ल
2. कर्पूरमंजरी (राजशेखर), रामकुमार आचार्य
3. अभिनव प्राकृत प्रकाश, नेमिचन्द्र शास्त्री
4. कर्पूरमंजरी एवं श्रृंगारमंजरी का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ0 रामनाथ सिंह
5. संस्कृत भाषा विज्ञान, राजकिशोर सिंह
6. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
7. भाषा विज्ञान, डॉ0 भोलानाथ तिवारी
8. भाषा विज्ञान, डॉ0 कर्णसिंह

अंक विभाजन :–

खण्ड अ

कर्पूरमंजरी से चार में से दो व्याख्याएँ	2x10 = 20 अंक
कर्पूरमंजरी से एक अनुवाद	10 अंक
खण्ड ब	
प्राकृत साहित्य से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
भाषा विज्ञान से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	15 अंक
भाषा विज्ञान से तीन लघूत्तरीय प्रश्न	3x5=15

सत्र 2019–20 से प्रभावी
एम0ए0 संस्कृत
तृतीय प्रश्न पत्र (द्वितीय सत्रार्ध/सेमेस्टर)
2/3 वेदान्त एवं दर्शन साहित्य का इतिहास पूर्णांकः100 (75+25)

(अ) वेदान्तसार– सदानन्द (सम्पूर्ण)।

(ब) आस्तिक दर्शन (षडदर्शन)।

(स) नास्तिक दर्शन– चार्वाक, जैन एवं बौद्ध दर्शन।

- आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25

सहायक पुस्तकें :

1. वेदान्तसार, रामशरण त्रिपाठी
2. वेदान्तसार, राममूर्ति शर्मा
3. वेदान्तसार, महेशचन्द्र भारतीय
4. भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय
5. भारतीय दर्शन, उमेश मिश्र
6. भारतीय दर्शन, दत्त एवं चटर्जी
7. Indian Philosophy, Das Gupta

अंक विभाजन :–

खण्ड अ

वेदान्तसार से चार में से दो व्याख्याएँ	2x10 = 20 अंक
वेदान्तसार से समीक्षात्मक प्रश्न	1x10 = 10 अंक
खण्ड ब	
आस्तिक दर्शन से एक दीर्घूत्तरीय प्रश्न	20 अंक
नास्तिक दर्शन से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10अंक
वेदान्तसार'/ आस्तिक/ नास्तिक दर्शन से तीन लघूत्तरीय प्रश्न	3x5 =15 अंक

सत्र 2019–20 से प्रभावी
एम0ए0 संस्कृत
चतुर्थ प्रश्न पत्र (द्वितीय सत्रार्ध/सेमेस्टर)
2/4 काव्य एवं भारतीय संस्कृति पूर्णांकः100 (75+25)

(अ) मेघदूतम्, कालिदास– पूर्वमेघ

(ब) नैषधीयचरितम्, श्रीहर्ष– प्रथम सर्ग

(स) भारतीय संस्कृति से निम्नलिखित अंश –

भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषताएँ, वर्णाश्रम व्यवस्था, संस्कार, पंचमहायज्ञ एवं पुरुषार्थ चतुष्ट्य।

- आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25

सहायक पुस्तकें :

1. मेघदूतम्, डॉ0 शिवराज शास्त्री
2. मेघदूतम्, डॉ0 देवीदत्त शर्मा
3. नैषधीयचरितम्, सुरेन्द्रदेव शास्त्री
4. नैषधकाव्य, डॉ0 शिवराज शास्त्री
5. नैषधपरिशीलन, चण्डिका प्रसाद शुक्ल
6. भारतीय संस्कृति का इतिहास, डॉ0 सत्यकेतु विद्यालंकार
7. भारतीय संस्कृति, नरेन्द्रदेव शास्त्री
8. भारतीय संस्कृति के आधारतत्व, कृष्णकुमार

9. हमारी प्राचीन संस्कृति, डॉ0 सत्यप्रकाश शास्त्री

अंक विभाजन :–

खण्ड अ

मेघदूतम् से चार में से दो व्याख्याएँ	2x7.5 = 15 अंक
नैषधीयचरितम् से चार में से दो व्याख्याएँ	2x7.5 = 15 अंक
खण्ड ब	
मेघदूतम् /नैषधीयचरितम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
भारतीय संस्कृति से सम्बन्धित एक दीघूत्तरीय प्रश्न	15 अंक
उपर्युक्त ग्रन्थों से दो सूक्ति अथवा भारतीय संस्कृति से दो लघूत्तरीय प्रश्न	15 अंक

सत्र 2020–21 से प्रभावी
एम0ए0 संस्कृत
प्रथम प्रश्न पत्र (तृतीय सत्रार्ध/सेमेस्टर)
3/1 व्याकरण पूर्णांकः100 (75+25)

(अ) व्याकरण– महाभाष्य– पस्पशाह्निक

(ब) लघु सिद्धान्त कौमुदी– भू एवं एध् धातु के लट्, लोट्, लृट्, लङ्, लिट् एवं विधिलिङ् लकारों की प्रक्रिया सिद्धि।

(स) भू एवं एध् धातु के दश लकारों का रूप परिचय।

- आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25

सहायक पुस्तकें :

1. महाभाष्य, पं0 चारूदेव शास्त्री
2. महाभाष्य, प्रदीपोद्योतटीका सहित, वेदव्रत
3. महाभाष्य, युधिष्ठिर मीमांसक
4. सिद्धान्तकौमुदी, पं0 गोपालदत्त पाण्डे
5. सिद्धान्तकौमुदी, बालकृष्ण पंचोली

6. सिद्धान्तकौमुदी–तत्त्व बोधिनी, पं0 गिरधर शर्मा चतुर्वेदी

अंक विभाजन :–

खण्ड अ

व्याकरण महाभाष्य से चार में से दो व्याख्याएँ	2x10 = 20 अंक
व्याकरण महाभाष्य से सम्बन्धित एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
खण्ड ब	
किन्हीं दस में से पॉच सूत्रों की व्याख्या	3x05 = 15 अंक
किन्हीं चार (सूत्र निर्देश पूर्वक) प्रयोगों की रूप सिद्धि	4x5 =20 अंक
भू / एध् धातुओं के दश लकारों से चार में से दो रूप लेखन	10 अंक

सत्र 2020–21 से प्रभावी

(तृतीय सेमेस्टर) लघुशोध प्रबन्ध

3/1 प्रथम प्रश्नपत्र (वैकल्पिक) पूर्णांक 100

(क) इस विकल्प को वही परीक्षार्थी ले सकेगा, जो एम0ए0 संस्कृत का संस्थागत परीक्षार्थी होगा तथा जिसने एम0ए0 प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा में न्यूनतम 60 (साठ) प्रतिशत अंक प्राप्त किये हो।

(ख) इस विकल्प को लेने वाले परीक्षार्थी को एक लघुशोधप्रबन्ध लिखना होगा। जिसका विषय संस्कृत वाड्. मय की किसी न किसी शाखा से सम्बन्धित होगा और वह मौलिक, गवेषणात्मक, अभिनवमूल्याड्.कनात्मक अथवा सर्वेक्षणात्मक होगा।

(ग) परीक्षार्थी अपने शोध निर्देशक के निर्देशन में प्रस्तावित लघुशोध प्रबन्ध के प्रतिपाद्य विषय की संक्षिप्त रूपरेखा को विभागाध्यक्ष से स्वीकृत कराने के बाद ही अपने लघुशोधप्रबन्ध को लिखना शुरु करेगा तथा उसकी दो प्रतियाँ टाइप कर लिखित परीक्षा प्रारम्भ होने से कम से कम एक माह पूर्व अपने विभागाध्यक्ष के पास जमा करेगा।

(घ) विभागाध्यक्ष परीक्षार्थी से प्राप्त उसके लघुशोधप्रबन्ध की उन दो प्रतियों को विश्वविद्यालय कुलसचिव के पास परीक्षण कराने हेतु भेजेगें।

(ड़) परीक्षार्थी को अपने शोध निर्देशक से ऐसा प्रमाणपत्र भी लेना होगा, जो यह सिद्ध करेंगा कि लघुशोध प्रबन्ध का लेखन उसने स्वयं ही किया है और इस कार्य में उसने किसी से अवैध सहायता नहीं ली है। यह प्रमाणपत्र लघुशोधप्रबन्ध में ही संलग्न करना होगा।

(च) इस लघुशोधप्रबन्ध के मूल्यांकन हेतु पूर्णांक 100 होंगे। परीक्षण कार्य शोधनिर्देश एवं बाह्य परीक्षक दोनों से कराया जायेगा। दोनों के लिए 50–50 अंक निर्धारित किये जायेगें।

सत्र 2020–21 से प्रभावी

एम0ए0 संस्कृत

द्वितीय प्रश्न पत्र (तृतीय सत्रार्ध/सेमेस्टर)

3/2 गद्यकाव्य पूर्णांकः100 (75+25)

(अ) कादम्बरी, बाणभट्ट– उज्जयिनी वर्णन से राजकुल वर्णन पर्यन्त,(सूतिकागृह वर्णन छोडकर)

(ब) अप्पयदीक्षितचरितम्, हरिनारायण दीक्षित, सम्पूर्ण।

(स) संस्कृत गद्यकाव्य का इतिहास।

- आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25

सहायक पुस्तकें :

1. कादम्बरी, श्रीनिवास मिश्र
2. कादम्बरी, कृष्णमोहन शास्त्री
3. कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन, वासुदेवशरण अग्रवाल
4. अप्पयदीक्षितचरितम्, हरिनारायण दीक्षित,
5. संस्कृत गद्यकाव्य का इतिहास।
6. आधुनिक गद्यसाहित्य का इतिहास, कलानाथ शास्त्री।

अंक विभाजन :–

खण्ड अ

कादम्बरी से चार में से दो व्याख्याएँ	2x7.5 = 15 अंक

अप्पयदीक्षितचरितम् से चार में से दो व्याख्याएँ	2x7.5 = 15 अंक
खण्ड ब	
कादम्बरी/कवि से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
अप्पयदीक्षितचरितम्/कवि से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
संस्कृत गद्यसाहित्य से दो लघूत्तरीय प्रश्न	2x7.5 = 15 अंक

सत्र 2020–21 से प्रभावी

एम0ए0 संस्कृत

तृतीय प्रश्न पत्र (तृतीय सत्रार्ध/सेमेस्टर)

3/3 नाट्यशास्त्र पूर्णांकः100 (75+25)

(अ) नाट्यशास्त्र, भरत– प्रथम अध्याय, सम्पूर्ण एवं द्वितीय अध्याय 01–30 श्लोक पर्यन्त।

(ब) दशरूपकम्, धनजंय– प्रथम एवं द्वितीय प्रकाश।

(स) दशरूपकम्, धनजंय– तृतीय एवं चतुर्थ प्रकाश।

- आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25

सहायक पुस्तकें :

1. नाट्यशास्त्र, डॉ0 सत्यार्थ प्रकाश शर्मा
2. नाट्यशास्त्र, बाबूलाल शुक्ल
3. संस्कृत नाट्य सिद्धान्त, डॉ0 रमाकान्त त्रिपाठी
4. दशरूपकम्, भोलाशंकर व्यास
5. दशरूपकम्, श्रीनिवास शास्त्री
6. दशरूपकम्, रामजी उपाध्याय
7. Sanskrit Drama, A.B. Keith
8. Dasharupakam, Ed. & Tran- by F. Hall

अंक विभाजन :–

खण्ड अ

नाट्यशास्त्र से चार में से दो व्याख्याएँ	2x7.5 = 15 अंक

दशरूपकम् से चार में से दो व्याख्याएँ	2x7.5 = 15 अंक
खण्ड ब	
नाट्यशास्त्र से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
दशरूपकम् से एक दीर्घूत्तरीय प्रश्न	15 अंक
नाट्यशास्त्र /दशरूपकम् से चार लघूत्तरीय प्रश्न	4x5=20अंक

सत्र 2020–21 से प्रभावी

एम0ए0 संस्कृत

चतुर्थ प्रश्न पत्र (तृतीय सत्रार्ध/सेमेस्टर)

3/4 काव्यशास्त्र पूर्णांकः100 (75+25)

(अ) काव्यप्रकाश–आचार्य मम्मट, प्रथम से चतुर्थ उल्लास पर्यन्त।

(ब) साहित्यदर्पण– आचार्य विश्वनाथ, प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद।

(स) काव्यशास्त्र का षड् सम्प्रदाय परिचय।

- आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25

सहायक पुस्तकेंः–

1. काव्यप्रकाश– आचार्य विश्वेश्वर
2. काव्यप्रकाश–डॉ0 बाबूलाल शुक्ल
3. काव्यप्रकाश–वामन झलकीकर
4. काव्यप्रकाश–श्रीनिवास शास्त्री
5. साहित्य दर्पण–डॉ0 सत्यव्रत सिंह
6. साहित्य दर्पण –शालिग्रामशास्त्री कृत विमला टीका
7. साहित्य दर्पण –गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर
8. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास–प्रो0 एस0 के0 डे0
9. अलंकारशास्त्र का इतिहास–डॉ0 कृष्ण कुमार
10. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास–पी0 वी0 काणे
11. भारतीय काव्यशास्त्र मीमांसा–डॉ0 हरिनारायण दीक्षित एवं डॉ0 किरन टण्डन
12. भारतीय साहित्यशास्त्र–पं0 बलदेव उपाध्याय
13. काव्यशास्त्रीय सिद्धान्त– डॉ लज्जा भट्ट।

अंक विभाजन :–

खण्ड अ

काव्यप्रकाश से चार में से दो व्याख्याएँ	2X7.5=15 अंक
साहित्य दर्पण से चार में से दो व्याख्याएँ	2X7.5=15 अंक
खण्ड ब	
काव्यप्रकाश से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
साहित्य दर्पण से एक दीर्घोत्तरीय प्रश्न	15 अंक
काव्यशास्त्र के षड सम्प्रदाय से दो लघूत्तरीय प्रश्न	2X7.5=15 अंक

सत्र 2020–21 से प्रभावी
एम0ए0 संस्कृत
प्रथम प्रश्न पत्र (चतुर्थ सत्रार्ध/सेमेस्टर)
4/1 व्याकरण एवं निबन्ध

पूर्णांकः100 (75+25)

(अ) वाक्यपदीयम्– भर्तृहरि (ब्रह्मकाण्ड), 01–50 कारिका पर्यन्त।

(ब) वाक्यपदीयम्– भर्तृहरि (ब्रह्मकाण्ड), 51–100 कारिका पर्यन्त।

(स) संस्कृत निबन्ध लेखन ।

- आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25

सहायक पुस्तकेंः–

1. वाक्यपदीयम्–(ब्रह्मकाण्ड), पं0 रामगोविन्द शुक्ल
2. वाक्यपदीयम्–(ब्रह्मकाण्ड), डॉ0 शिवशंकर अवस्थी
3. भाषातन्त्र और वाक्यपदीयम, डॉ0 सत्यकाम वर्मा
4. संस्कृत निबन्धशतकम्, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी,
5. संस्कृत निबन्धावली, डॉ0 हरिनारायण दीक्षित
6. संस्कृत निबन्धाञ्जलि, डॉ0 रामकृष्णाचार्य
7. संस्कृत निबन्धादर्श, डॉ0 राममूर्ति शर्मा
8. व्याकरण शास्त्र का इतिहास, पं0 युधिष्ठिर मीमांसक
9. व्याकरण दर्शन, पं0 युधिष्ठिर मीमांसक

अंक विभाजन :–

खण्ड अ

वाक्यपदीयम् से चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या (1–50	2X7.5=15 अंक

कारिका)	
वाक्यपदीयम् से चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या(51–100 कारिका)	2X7.5=15 अंक
खण्ड ब	
वाक्यपदीयम् से एक आलोचनात्मक प्रश्न	15 अंक
वाक्यपदीयम् से दो लघूत्तरीय प्रश्न	2X5=10 अंक
निबन्ध लेखन (संस्कृत में अनिवार्य)	20 अंक

सत्र 2020–21 से प्रभावी
एम0ए0 संस्कृत
द्वितीय प्रश्न पत्र (चतुर्थ सत्रार्ध/सेमेस्टर)
4/2 संस्कृत प्रकरण एवं चम्पू पूर्णांकः100 (75+25)

(अ) मृच्छकटिकम्, शूद्रक।
(ब) मालतीमाधवम्, कालिदास।
(स) नलचम्पू, त्रिविक्रम भट्ट– प्रथम उच्छ्वास।

- आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25

सहायक पुस्तकें :–

1. मृच्छकटिकम्, रमाकान्त द्विवेदी
2. मृच्छकटिकम्, निरूपण विद्यालंकार
3. मृच्छकटिकम्, सुधांशु पन्त
4. महाकवि शूद्रक, रमाशंकर तिवारी
5. मालतीमाधवम्
6. नलचम्पू – प्रो0 कैलाशपति त्रिपाठी
7. चम्पूकाव्य का आलोचनात्मक अध्ययन – प्रो0 छविनाथ– त्रिपाठी
8. संस्कृत साहित्य का इतिहास।

अंक विभाजन :–

खण्ड अ

मृच्छकटिकम् एवं मालतीमाधव से छह में से तीन व्याख्याएँ	3X5=15 अंक
नलचम्पू से चार में से दो गद्यों की व्याख्याएँ	2X7.5=15 अंक
खण्ड ब	
नलचम्पू से चार में से दो पद्यों की व्याख्याएँ	2X5=10 अंक
उपर्युक्त ग्रन्थ एवं ग्रन्थकार से दो समीक्षात्मक प्रश्न	25 अंक
उपर्युक्त ग्रन्थों से दो लघूत्तरीय प्रश्न	10 अंक

सत्र 2020–21 से प्रभावी

एम0ए0 संस्कृत

द्वितीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक) (चतुर्थ सत्रार्ध/सेमेस्टर)

4/2 आधुनिक संस्कृत नाटक एवं उपन्यास पूर्णांकः100 (75+25)

(अ) भारतविजय नाटकम्, पं0 मथुराप्रसाद दीक्षित।

(ब) गोपालबन्धुः, डॉ0 हरिनारायण दीक्षित।

(स) बन्धुजीवम्, शिवप्रसाद भारद्वाज।

- आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25

सहायक पुस्तकें :–

1. भारतविजय नाटकम्, पं0 मथुराप्रसाद दीक्षित
2. गोपालबन्धुः, डॉ0 हरिनारायण दीक्षित
3. आधुनिक संस्कृत नाटक, रामजी उपाध्याय
4. संस्कृत नाट्य सिद्धान्त, डॉ0 रमाकान्त त्रिपाठी

5. बन्धुजीवम्, शिवप्रसाद भारद्वाज।

अंक विभाजन :–

खण्ड अ

गोपालबन्धुः नाटक से चार में से दो व्याख्याएँ	2X7.5=15 अंक
भारतविजयम् से चार में से दो व्याख्याएँ	2X7.5=15 अंक
खण्ड ब	
बन्धुजीवम् से चार में से दो व्याख्याएँ	2X7.5=15 अंक
उपर्युक्त ग्रन्थों से तीन समीक्षात्मक प्रश्न	3X5=15 अंक
उपर्युक्त ग्रन्थों से तीन लघूत्तरीय प्रश्न	3x5=15अंक

सत्र 2020–21 से प्रभावी
एम0ए0 संस्कृत
तृतीय प्रश्न पत्र (चतुर्थ सत्रार्ध/सेमेस्टर)
4/3 काव्यशास्त्र पूर्णांकः100 (75+25)

(अ) काव्यालंकार सूत्रवृत्ति, वामन– प्रथम अधिकरण

(ब) वक्रोक्ति जीवितम्, कुन्तक – प्रथमोन्मेष– (21 वीं कारिका तक)

(स) ध्वन्यालोक, आनन्दवर्धन– प्रथम उद्योत (1– 13 कारिका पर्यन्त)

- आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 25

सहायक पुस्तकें :–

1. काव्यालंकार सूत्राणि, हरगोविन्द शस्त्री
2. काव्यालंकार सूत्रवृत्ति, डॉ0 बेचन झा
3. वक्रोक्ति जीवितम्, राधेश्याम मिश्र
4. वक्रोक्ति जीवितम्, परमेश्वर दीन मिश्र
5. अलंकारशास्त्र में आचार्य कुन्तक की देन, डॉ0 हेना आत्मनाथन
6. ध्वन्यालोक, आचार्य विश्वेश्वर

7. ध्वन्यालोक, जगन्नाथ पाठक
8. भामह और वामन के काव्यसिद्धान्त, रमण कुमार शर्मा
9. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका, नगेन्द्र
10. भारतीय साहित्यशास्त्र, आचार्य बलदेव उपाध्याय
11. भारतीय काव्यशास्त्र मीमांसा, डॉ0 हरिनारायण दीक्षित एवं डॉ0 किरण टण्डन।
12. History of Sanskrit Poetics- Prof. P.V. Kane
13. History of Sanskrit Poetics – Prof. S.K. De

अंक विभाजन :–

खण्ड अ

काव्यालंकार सूत्रवृत्ति से छह में से तीन सूत्रों की व्याख्या	3X5=15 अंक
वक्रोक्तिजीवितम् से छह में से तीन कारिकाओं की व्याख्या	3X5=15 अंक
खण्ड ब	
ध्वन्यालोक से चार में दो कारिकाओं की व्याख्या	2X7.5=15 अंक
उपर्युक्त समस्त ग्रन्थों से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	15 अंक
उपर्युक्त समस्त ग्रन्थों से तीन लघूत्तरीय प्रश्न	3X5=15अंक

सत्र 2020–21 से प्रभावी
एम0ए0 संस्कृत
चतुर्थ प्रश्न पत्र (चतुर्थ सत्रार्ध/सेमेस्टर)
4/4 मौखिकी (अनिवार्य) पूर्णांकः100

नोट :– मौखिकी परीक्षा चतुर्थ सत्रार्ध/सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगी।

टिप्पणी– (अ) एम. ए. के प्रत्येक सत्र के पाठ्यक्रम के आलोक में लिखित परीक्षा की समाप्ति के पश्चात् संस्कृत विभाग में निर्धारित तिथि को मौखिक परीक्षा सम्पन्न होगी, जिसकी सूचना परीक्षार्थियों को उनकी अन्तिम लिखित परीक्षा के दिन दे दी जायेगी। मौखिकी के समय समस्त परीक्षार्थियों को तृतीय सत्रार्ध/सेमेस्टर की अपनी मूल अंकतालिका परीक्षकों के समक्ष अनिवार्यतः प्रस्तुत करनी होगी।

(ब) प्रत्येक प्रश्न पत्र में 75 अंक लिखित प्रश्न पत्र हेतु निर्धारित है, जिसका पाठ्यक्रम उपर्युक्त प्रकार से विभाजन पूर्वक दिया गया है।

(स) प्रत्येक प्रश्न पत्र में 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं, जिसके मूल्यांकन का आधार छात्र की उपस्थिति, अनुशासन तथा एसाइन्मेंट एवं प्रेजेंटेशन (प्रस्तुतीकरण) होगा। उक्त के आलोक में 05 अंक छात्र की उपस्थिति एवं अनुशासन तथा 20 अंक एसाइन्मेंट एवं प्रेजेंटेशन हेतु निर्धारित किये जाते हैं।

नोट– इसके अतिरिक्त विभिन्न सत्राद्धों में अंकों का निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा कला संकाय के अन्य विषयों की भॉति समरूपता नीति (Uniform Policy) के अनुसार मान्य होगा एवं प्रस्तावित पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार (सत्र से) प्रवृत्त होगा।

....